कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	03.07.2024	04.07.2024	05.07.2024	06.07.2024	07.07.2024
वर्षा (मि.मी.)	135.0	40.0	45.0	40.0	30.0
अधिकतम तापमान (से.)	35.0	34.0	32.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान (से.)	25.0	24.0	23.0	23.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	90	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	35
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	14	14	16	16	14
पवन दिशा (डिग्री)	230	230	200	200	220
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में दक्षिण–पश्चिम मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है जिसके प्रभाव से 03–07 जुलाई के मध्य जिले में बादल छाए रहने एवं अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का अनुमान है। हालॉकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31–35 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 22–25 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।

सामान्य सलाह :

आगामी दिनों में वर्षा की संभावना के मध्यनजर खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। कीटनाषक एवं खाद का प्रयोग आसमान साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाह :

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु ''दामिनी'' मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

चावल	पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए खेतों में मेडों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचडे 10 से 15 दिनों के हो गये हो, खर–पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए 5 किलो अमोनियम सल्फेट अथवा 2 किलो यूरिया का उपरिवेशन करें। इस अवधी में अच्छी वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपनी में प्राथमिकता दें। वर्षा जल का उपयोग कर रोपनी के कार्य में प्राथमिकता दें। रोपाई पूर्व खेतों की तैयारी के समय कद्दा के दौरान मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश

	तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2–3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500–600 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
अरहर (लाल चना/अरहर)	अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी आसमान साफ रहने पर करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन 45 किलो स्फुर 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेन्द्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

तोरी	खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे कद्दू, नेनुआ, झींगनी, खीरा की बुवाई कर आसमान साफ रहने पर कर सकते हैं। इसके लिए मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20–25 टन सड़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0 x 1 मी0 की दूरी पर लगायें।

पशुपालन पालन विशिष्ट सलाहः

गाय	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए पूरा दूध निकालें और दूध दोहन के बाद थनों को कीटाणुनाशक घोल से धोयें। एम0 डी0 रोग से ग्रसित पशुओं के मुॅह–खरों एवं थन को पोटाशियम परमेंगनेट का 1 प्रतिशत घोल से साफ करें। 6 माह से छोटे प्शुओं में एवं गर्भवती पशुओं में टीकाकरण नहीं करवाए। नवजात बछडे एवं बछडियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा नियमित रूप से देना चाहिए।